Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12** ] [ Total No. of Printed Pages : **4**

# APF–2006

## M.A. (Final) Examination, 2022

## HINDI

Paper - IV **(ग)**

**(तुलसीदास)**

*Time : **3** Hours* ] [ *Maximum Marks : **100***

**खण्ड–अ** **(अंक : 2 × 10 = 20)**

**नोट** :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

**खण्ड–ब** **(अंक : 8 × 5 = 40)**

**नोट** :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

**खण्ड–स** **(अंक : 20 × 2 = 40)**

**नोट** :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

**खण्ड–अ**

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर-सीमा **50** शब्द)–

   (i) ''मोरे सबइ एक तुम स्वामी। दीनबंधु उर अन्तरजामी॥'' कथन किसका है ?

   (ii) ''मुख प्रसन्न चित चौगुन चाऊ। मिटा सोचु जनि राखै राऊ॥'' –इस पंक्ति में राम के प्रसन्न होने का क्या कारण है ?

(iii) 'विनयपत्रिका' में तुलसीदास की भक्ति का कौनसा रूप प्रकट हुआ है ?

(iv) 'रामचरितमानस' का हृदयस्थल किसे कहा गया है ?

(v) 'कवितावली' में उत्तरकांड का वैशिष्ट्य किस कारण से है ?

(vi) 'कवितावली' की भाषा कौनसी है ?

(vii) 'गीतावली' पर आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने किस हिन्दी कवि का प्रभाव माना है ?

(viii) ''सहेली सुनु सोहिलो रे।'' –इस पद में तुलसीदास ने किसका वर्णन किया है ?

(ix) तुलसीदास ने 'कवितावली' के उत्तरकांड में समाज के किन-किन लोगों का वर्णन किया है ?

(x) गोस्वामी तुलसीदास की पत्नी का नाम क्या था ?

**खण्ड–ब**

**नोट** :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर-सीमा **200** शब्द)

निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

2. प्रिय परिजनहि मिली बैदेही। जो जेहि जोगु भाँति तेहि तेही॥

तापस बेष जानकी देखी। भा सबु बिकल विषाद विसेषी॥

जनक राम गुर आयसु पाई। चले थलहि सिय देखी आई॥

लीन्हि लाइ उर जनक जानकी। पाहुन पावन प्रेम प्रान की॥

उर उमगेउ अंबुधि अनुरागू। भयउ भूप मनु मनहुँ पयागू॥

सिय सनेह बटु बाढ़त जोहा। ता पर राम प्रेम सिसु सोहा॥

चिरजीवी मुनि ग्यान बिकल जनु। बूडत लहेउ बाल अवलंबनु॥

मोह मगन मति नहिं बिदेह की। महिमा सिय रघुबर सनेह की॥

सिय पितु मातु सनेह बस बिकल न सकी संभारि।

धरनिसुताँ धीरजु धरेउ समउ सुधरमु बिचारि॥

3. अबलौं नसानी अब न नसैहौं।

राम कृपा भव निसा सिरानी जागे फिरि न डसैहौं॥

पाएउँ नाम चारु चिंतामनि उर कर तें न खसैहौं।

स्यामरूप सुचि रुचिर कसौटी चित कंचनहि कसैहौं॥

परबस जानि हँस्यो इन इन्द्रिन निज बस ह्वै न हँसैहौं।

मन मधुकर पनकै तुलसी रघुपति पद कमल बसैहौं॥

4. जो मोहि राम लागते मीठे।

तौ नवरस षटरस अनरस ह्वै जाते सब सीठे॥

बंचक विषय विविध तनु धरि अनुभवे सुने अरु डीठे।

यह जानत हौं हृदय आपने सपने न अघाइ उबीठे॥

तुलसीदास प्रभु को एकहिं बल बचन कहत अति ढीठे।

नाम की लाज राम करुनाकर केहिं न दिये कर चीठे॥

5. बारि तिहारो निहारि मुरारि भए परसे पद पाप लहौंगो।

ईस ह्वै सीस धरौं पै डरौं, प्रभु की समता बड़ दोष दहौंगो॥

बरु वारहिं वार सरीर धरौं, रघुबीर को ह्वै तव तीर रहौंगो।

भागीरथी! विनवौं करजोरि, बहोरि न खोरि लगै सो कहौंगो॥

6. मोह-मद-मात्यो, रात्यो कुमति-कुनारि सों,

बिसारि वेद लोक-लाज, आँकरो अचेतु है।

भावै सो करत, मुँह आवै सो कहत, कछु

काहू की सहत नाहिं, सरकस हेतु है॥

तुलसी अधिक अधमाई हू अजामिल तें

ताहू में सहाय कलि कपट-निकेतु है।

जैबे को अनेक टेक, एक टेक ह्वैबे की, जो

पेट-प्रिय-पूत-हित रामनाम लेतु है॥

7. नेकु, सुमुखि, चित लाइ चितौ, री।

राजकुंवर-मूरति रचिवेकी रुचि सुविरंचि श्रम कियो है कितौ, री॥

नख-सिख सुंदरता अवलोकत कह्यो न परत सुख होत जितौ, री।

साँवर रूप-सुधा भरिबे कहं नयन-कमल कल कलस रितौ, री॥

मेरे ज्ञान इन्हैं वोलिबे कारन चतुर जनक ठयो ठाट इतौ, री।

तुलसी प्रभु भंजिहैं संभु-धनु, भूरि भाग सिय-मातु-पितौ, री॥

8. भरत भए ठाढ़े कर जोरि।

ह्वै न सकत सामुहें सकुचबस समुझि मातुकृत खोरि॥

फिरिहैं किधौं फिरन कहिहैं प्रभु कलपि कुटिलता मोरि।

हृदय सोच, जल भरे विलोचन, नेह देह भइ भोरि॥

वनवासी, पुरलोग महामुनि किए हैं काठके-से कोरि।

दै दै श्रवन सुनिवेको जहं तहं रहे प्रेम मन वोरि॥

तुलसी राम-सुभाव सुमिरि उर धरि धीरजहि वहोरि।

बोले वचन बिनीत उचित हित करुना-रसहि निचोरि॥

## खण्ड–स

**नोट** :– निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर-सीमा **500** शब्द)

9. 'अयोध्या कांड' की चित्रकूट सभा का सामाजिक-सांस्कृतिक और साहित्यिक महत्त्व निरूपित कीजिए।

10. 'विनयपत्रिका' के आधार पर तुलसी की लोकमंगल अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

11. 'कवितावली' के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

12. तुलसी के समाज-दर्शन की विशेषताएँ बताइए।